

Chapter:

विभाग १ - गद्य : 20 अंक

Q.1 (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :-

प्रिय सरोज,

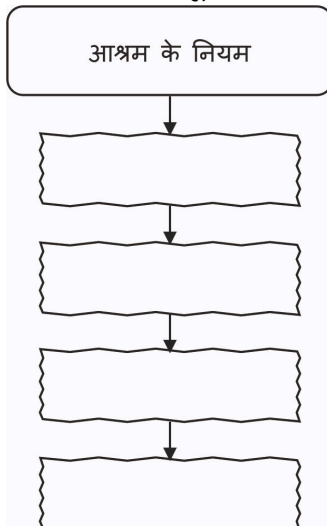
जिस आश्रम की कल्पना की है उसके बारे में कुछ ज्यादा लिखूँ तो बहन को सोचने में मदद होगी, आश्रम यानी होम (घर) उसकी व्यवस्था में या संचालन में किसी पुरुष का संबंध न हो। उस आश्रम का विज्ञापन अखबार में नहीं दिया जाए। उसके लिए पैसे तो सहज मिलेंगे, लेकिन कहीं माँगने नहीं जाना है। जो महिला आएगी वह अपने खाने – पीने की तथा कपड़ेलत्ते की व्यवस्था करके ही आए। वह यदि गरीब है तो उसकी सिफारिश करने वाले लोगों को खर्च की पक्की व्यवस्था करनी चाहिए। पूरी पहचान और परिचय के बिना किसी को दाखिल नहीं करना चाहिए। दाखिल हुई कोई भी महिला जब चाहे तब आश्रम छोड़ सकती है। आश्रम को ठीक न लगे तो एक या तीन महीने का नोटिस देकर किसी को आश्रम से हटा सकता है लेकिन ऐसा कदम सोचकर लेना होगा।

आश्रम किसी एक धर्म से चिपका नहीं होगा। सभी धर्म आश्रम को मान्य होंगे, अतः सामान्य सदाचार, भक्ति तथा सेवा का ही वातावरण रहेगा। आश्रम में स्वावलंबन हो सके उतना ही रखना चाहिए। सादगी का आग्रह होना चाहिए। आरंभ में पढ़ाई या उद्योग की व्यवस्था भले न हो सके लेकिन आगे चलकर उपयोगी उद्योग सिखाए जाएँ। पढ़ाई भी आसान हो। आश्रम शिक्षासंस्था नहीं होगी लेकिन कलह और कुढ़न से मुक्त स्वतंत्र वातावरण जहाँ हो ऐसा मानवतापूर्ण आश्रयस्थान होगा, जहाँ परेशान महिलाएँ बेखटके अपने खर्च से रह सकें और अपने जीवन का सदुपयोग पवित्र सेवा में कर सकें। ऐसा आसान आदर्श रखा हो और व्यवस्था पर समिति का झंझट न हो तो बहन सुंदर तरीके से चला सके ऐसो एक बड़ा काम होगा। उनके ऊपर ऐसा बोझ नहीं आएगा जिससे कि परेशानी हो।

1 A1) ..

2

प्रवाह तालिका पूर्ण कीजिए।



A2) ..

2

निम्नलिखित वाक्य सत्य या असत्य हैं पहचानकर लिखिए।

- (i) आश्रम में केवल हिंदू धर्म से चिपका नहीं होगा।
- (ii) आश्रम का विज्ञापन अखबार में दिया जाए।
- (iii) सिफारिश करने वाले लोगों को खर्च की पक्की व्यवस्था करनी चाहिए।
- (iv) आश्रम में गरीब महिलाओं के दाखिले को निलंबित किया जाएगा।

A3) ..

2

विरुद्धार्थी शब्द लिखिए।

- (i) सदाचार ×
- (ii) सदुपयोगी ×

अनुच्छेद में प्रयुक्त विशेषण शब्द लिखिए।

- (i) व्यवस्था -
- (ii) उपयोग -

A4) ..

2

स्वमत:

वर्तमान समाज में आश्रमों की बढ़ती हुई संख्या के बारे में २५ से ३० शब्दों में अपने विचार लिखिए।

(आ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :-

गुलामी की प्रथा संसार भर में हजारों वर्षों तक चलती रही। उस लंबे अरसे में विद्वान तत्त्ववेत्ता और साधु-संतों के रहते हुए भी वह चलती रही। गुलाम लोग खुद भी मानते थे कि वह प्रथा उनके हित में है फिर मनुष्य का विवेक जागृत हुआ। अपने जैसे ही हाड़-माँस और दुख की भावना रखने वालों को एक दूसरा बलवान मनुष्य गुलामी में जकड़ रखे, क्या यह बात न्यायोचित है, यह प्रश्न सामने आया। इसको हल करने के लिए आपस में युद्ध भी हुए। अंत में गुलामी की प्रथा मिटकर रही। इसी प्रकार राजाओं की संस्था की बात है। जगत भर में हजारों वर्षों तक व्यक्तियों का, बादशाहों का राज्य चला पर अंत में 'क्या किसी एक व्यक्ति को हजारों आदमियों को अपनी हुकूमत में रखने का अधिकार है,' यह प्रश्न खड़ा हुआ। उसे हल करने के लिए अनेक घनघोर युद्ध हुए और सदियों तक कहीं – न – कहीं झगड़ा चलता रहा। असंख्य लोगों को यातनएँ सहन करनी पड़ी। अंत में राजप्रथा मिटकर रही और राजसत्ता प्रजा के हाथ में आई। हजारों वर्षों तक चलती हुई मान्यताएँ छोड़ देनी पड़ी। ऐसी ही कुछ बातें संपत्ति के स्वामित्व के बारे में भी हैं।

संपत्ति के स्वामित्व और उसके अधिकार की बात जानने के लिए यह समझना जरूरी है कि संपत्ति किसे कहते हैं और वह बनती कैसे है ?

आम तौर से माना जाता है कि रुपया, नोट या सोना-चाँदी का सिक्का ही संपत्ति है, लेकिन यह ख्याल गलत है क्योंकि ये तो संपत्ति के माप-तौल के साधन मात्र हैं। संपत्ति तो वे ही चीजें हो सकती हैं जो किसी-न-किसी रूप में मनुष्य के उपयोग में आती हैं। उनमें से कुछ ऐसी जिनके बिना मनुष्य जिंदा नहीं रह सकता एवं कुछ, सुख-सुविधा और आराम के लिए होती हैं। अन्न, वस्त्र और मकान मनुष्य की प्राथमिक आवश्यकताएँ हैं। जिनके बिना उसकी गुजर-बसर नहीं हो सकती। इनके अलावा दूसरी अनेक चीजें हैं जिनके बिना मनुष्य रह सकता है।

प्रश्न उठता है कि संपत्तिरूपी ये सब चीजें बनती कैसे हैं ? सृष्टि में जो नानाविध द्रव्य तथा प्राकृतिक साधन हैं, उनको लेकर मनुष्य शरीर श्रम करता है, तब यह कम की चीजें बनती हैं। अतः संपत्ति के मुख्य साधन दो हैं : सृष्टि के द्रव्य और मनुष्य का शरीर श्रम। यंत्र से कुछ चीजें बनती दिखती हैं पर वे यंत्र भी शरीर श्रम से बनते हैं और उनको चलाने में भी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष शरीर श्रम की आवश्यकता होती है। केवल बौद्धिक श्रम से कोई उपयोग की चीज नहीं बन सकती अर्थात् बिना शरीर श्रम के संपत्ति का निर्माण नहीं हो सकता।

1 A1) ..

2

स्पष्ट कीजिए।
शरीर श्रम के रूप।
(1)
(2)

A2) ..

2

वाक्य को घटना क्रमानुसार लिखिए :
यह समझना जरूरी है कि संपत्ति किसे कहते हैं।
आम तौर से माना जाता है।
यह प्रश्न सामने आया।
यह काम की चीजें बनती हैं।

A3) ..

2

निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ स्पष्ट करते हुए वाक्य में प्रयोग कीजिए।
(i) मन तरंगाधित होना (ii) मुँह लटकाना

A4) ..

2

स्वमत :-
“क्या शारीरिक श्रम और मानसिक श्रम की तुलना की जा सकती है?”

(इ) निम्नलिखित अपठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :-

जब लोग त्रस्त हों, पराजित हों या शोकग्रस्त हो उन्हें हमारी सहानुभूति, सहायता या प्रोत्साहन की जरूरत होती है। उस समय उनका आत्मविश्वास लड़खड़ा जाता है। ऐसे समय में उनकी खिल्ली उड़ाने का या उनकी परेशानी का मजा लूटने का मोह हमें रोकना चाहिए और उन्हें सहारा देना चाहिए। जो लोग ऐसा करते हैं, वे सबके हृदय में हमेशा के लिए स्थान प्राप्त कर लेते हैं, अपनी लोकप्रियता की परिधि विस्तृत करते हैं। दूसरों के सुख - दुख में सच्चे अंतःकरण से दिलचस्पी लेना अच्छे संस्कार का लक्षण तो है ही, साथ ही व्यवहार - कुशलता भी है, जो लोगों को हमारी ओर आकर्षित करती है।

1 A1) ..

2

वाक्य पूर्ण कीजिए।
(i) पराजित होने पर लोगों का
(ii) अच्छे संस्कार के लक्षण -

A2) ..

2

स्वमत:
'दूसरों का मजाक उड़ाना उचित है या अनुचित' इस विषय पर अपने विचार प्रकट कीजिए।

विभाग २ - पदय : 12 अंक

Q.2 (अ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :-

(6)

बीत गया हेमंत भ्रात, शिशिर ऋतु आई !
प्रकृति हुई द्युतिहीन, अवनि में कुंझटिका है छाई।

पड़ता खूब तुषार पद्मदल तालों में बिलखाते,
अन्यायी नृप के दंडों से यथा लोग दुख पाते।

निशा काल में लोग घरों में निज-निज जा सोते हैं,
बाहर श्वान, स्यार चिल्लाकर बार-बार रोते हैं।

अर्द्धरात्रि को घर से कोई जो आँगन को आता,
शून्य गगन मंडल को लख यह माँ में है भय पाता।

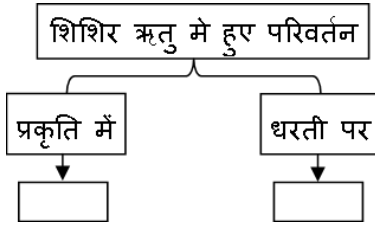
तारे निपट मलीन चंद ने पांडुवर्ण है पाया,
मानो किसी राज्य पर है, राष्ट्रीय कष्ट कुछ आया।

1 A1) ..

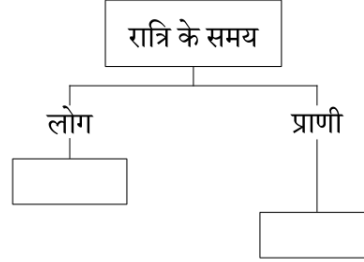
2

अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए:

(i)



(ii)



A2) ..

2

निम्नलिखित शब्दों के विशेषण रूप लिखिए।

(i) (ii)

निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए।

(i) श्वान -। (ii) अवनि -।

A3) ..

2

स्वमत:

उपर्युक्त पद्यांश की अंतिम चार पंक्तियों का सरल अर्थ २५ से ३० शब्दों में लिखिए।

(आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :-

(6)

मेरे तो गिरधर गोपाल, दूसरो न कोई
जाके सिर मोर मुकट, मेरो पति सोई
छाँड़ि दई कुल की कानि, कहा करिहै कोई ?
संतन ढिग बैठि- बैठि, लोक लाज खोई ।
अँसुवन जल सींचि- सींचि प्रेम बेलि बोई ।
अब तो बेल फैल गई आणँद फल होई ।।
दूध की मथनियाँ बड़े प्रेम से बिलोई ।
माखन जब काढ़ि लियो छाछ पिये कोई ।।
भगत देखि राजी हुई जगत देखि रोई ।
दासी 'मीरा' लाल गिरिधर तारो अब मोही ।।

1 A1) ..

2

कृति पूर्ण कीजिए:

(i) कृष्ण भक्ति में मीरा द्वारा की गई कृतियाँ

कुल मर्यादा छोड़ना

साधु-संतों के बीच बैठना

(ii)

मीरा ने

सींचि

छोड़ी

A2) ..

2

निम्नलिखित शब्दों के अर्थ परिच्छेद से पहचानकर लिखिए।

(i) वंश - (ii) पास -

ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर निम्नलिखित शब्दों हो।

(i) मोर (ii) पति

A3) ..

2

स्वमत:

पद्यांश के प्रथम चार पंक्तियों का सरल अर्थ 25 से 30 शब्दों में लिखिए।

विभाग ३ - पूरक पठन : 8 अंक

Q.3 (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :-

(4)

पान-जैसी पतली छुरी से बाँस की तीलियाँ और कमानियों को चिकनाता हुआ सिरचन अपने काम में लग गया। रंगीन सुतलियाँ में झुब्बे डालकर वह चिक बुनने बैठा। डेढ़ हाथ की बिनाई देखकर ही लोग समझ गए कि इस बार एकदम नये फैशन की चीज बन रही है।

मँझली भाभी से नहीं रहा गया। परदे की आड़ से बोली, “पहले ऐसा जानती कि मोहर छापवाली धोती देने से ही अच्छी चीज बनती है तो भैया को खबर भेज देती।”

काम में व्यस्त सिरचन के कानों में बात पड़ गई। बोला, “मोहर छापवाली धोती के साथ रेशमी कुरता देने पर भी ऐसी चीज नहीं बनती बहुरिया। मानू दीदी काकी की सबसे छोटी बेटी है... मानू दीदी का दूल्हा अफसर आदमी है।”

मँझली भाभी का मुँह लटक गया। मेरी चाची ने फुस-फुसाकर कहा, “किससे बात करती है बहू? मोहर छापवाली धोती नहीं, मुँगिया लड़ू। बेटी की विदाई के समय रोज मिठाई जो खाने को मिलेगी। देखती है न!”

दूसरे दिन चिक की पहली पाँति में सात तारे जगमगा उठे, सात रंग के। सतभैया तारा! अपने काम में मगन सिरचन को खाने-पीने की सुध नहीं रहती। चिक में सुतली के फंदे डालकर उसने पास पड़े सूप पर निगाह डाली- चिउरा और गुड़ का एक सूखा ढेला। मैंने लक्ष्य किया, सिरचन की नाक के

पास दो रेखाएँ उभर आईं । मैं दौड़कर माँ के पास गया । “माँ, आज सिरचन को कलेवा किसने दिया है, सिर्फ चिउरा और गुड़ ?”

1 A1) ..

2

वाक्य को घटना क्रमानुसार लिखिए:
बेटी की विदाई के समय रोज मिठाई जो खाने को मिलेगी।
मैं दौड़कर माँ के पास गया।
सिरचन अपने काम में लग गया।
एकदम नये फैशन की चीज बन रही है।

A2) ..

2

स्वमत :-
मजदूरों का सम्मान आप किस तरह करेंगे? अपने विचार 8 से 10 वाक्यों में लिखिए।

(आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :-

(4)

हम उस धरती के लड़के हैं, जिस धरती की बातें
क्या कहिए; अजी क्या कहिए; हाँ क्या कहिए ।
यह वह मिट्टी, जिस मिट्टी में खेले थे यहाँ ध्रुव-से बच्चे।

यह मिट्टी, हुए प्रहलाद जहाँ, जो अपनी लगन के थे सच्चे।
शेरों के जबड़े खुलवाकर, थे जहाँ भरत दतुली गिनते,
जयमल-पत्ता अपने आगे, थे नहीं किसी को कुछ गिनते !

इस कारण हम तुमसे बढ़कर । हम सबके आगे चुप रहिए ।
अजी चुप रहिए, हाँ चुप रहिए । हम उस धरती के लड़के हैं ...

1 A1) ..

2

एक-एक शब्द में उत्तर लिखिए।:
(i) लड़के बातें करते हैं -
(ii) धरती में मिट्टी में खेले थे -
(iii) लड़के बहस कर रहे हैं -
(iv) लगन के सच्चे थे -

A2) ..

2

स्वमत:
'बालकभरत' के विषय में सात-आठ वाक्य लिखिए।

विभाग ४ - भाषा अध्ययन (व्याकरण) : 14 अंक

Q.4 सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :-

(1) अधोरेखांकित शब्द का भेद लिखिए :-

(1)

फूल पंखुरी-पंखुरी झर जाएगी।

(2) निम्नलिखित अव्यय शब्दों में से किसी एक का अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए :-

(1)

(i) की तरफ

(ii) बल्कि -

(3) तालिका पूर्ण कीजिए (कोई एक) :-

(1)

संधि विच्छेद	संधि शब्द	संधि भेद
i) नि: + भय =
ii) प्रति + एक =

(4) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य की सहायक क्रिया पहचानकर उसका मूल रूप लिखिए।

(1)

(i) मृत्यु का एहसास उम्र के किसी भी मोड़ पर हो सकता है।

(ii) उसने सुंदर आकृति देख ली।

(5) निम्नलिखित में से किसी एक क्रिया का 'प्रथम' तथा 'द्वितीय' प्रेरणार्थक रूप लिखिए।

(1)

क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक क्रिया	द्वितीय प्रेरणार्थक क्रिया
i) जागना
ii) लेटना

(6) अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का चयन कर वाक्य फिर से लिखिए :-

(1)

बंदरिया की नाच देखकर बच्चे खुश हो गए।

(उछल - कुद करना, बाँसो उछलना)

अथवा

निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक मुहावरे का अर्थ लिखकर अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए

1) निछावर करना -

2) नाक - भौं सिकोड़ना -

(7) निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त कारको में से कोई एक कारक पहचानकर उसका भेद लिखिए।

(1)

1) फिल्मी गाने प्यार से सुनते थे।

2) रमजानी से पैसे माँगे।

(8) निम्नलिखित वाक्यों में यथास्थान उचित विरामचिह्नों का प्रयोग करके वाक्य फिर से लिखिए।

(1)

1) उनके कॉपते होठों पर यही शब्द थे अब क्या होगा

2) साहब ने बड़ी सरलता से कहा अच्छा तो फिर पूछिए

(9) निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों का सूचना के अनुसार काल परिवर्तन करके वाक्य फिर से लिखिए।

(2)

(i) वह हिमालय को खोज रहा है। (पूर्ण वर्तमानकाल)

(ii) फूल पंखुरी-पंखुरी झर जाएगा। (पूर्ण भूतकाल)

(iii) मानू को ससुराल पहुँचाने में ही जाता हूँ। (सामान्य भविष्यकाल)

(10) (i) निम्नलिखित वाक्य का रचना के अनुसार भेद लिखिए :-

(1)

बिना किसी रूकावट या बाधा के चली गई।

ii) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्या अर्थ के आधार पर दी गई सूचनानुसार परिवर्तन कीजिए।

(1)

1) तुम्हें अपने शिक्षक की बात माननी चाहिए। (आज्ञार्थक वाक्य)

11) निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके फिर से लिखिए।

(2)

(iii) मैं जंगल में जाकर हिंदुओं की साथ ध्यान करेगा।

(ii) माँ के आँखों में आँसू आई।

विभाग ५ - उपयोजित लेखन : 26 अंक

Q.5 (अ) (1) पत्र लेखन -

(5)

निम्नलिखित जानकारी पर आधारित पत्रलेखन कीजिए :-

वार्ड अधिकारी पी/एन वार्ड मालाड मुंबई / क्षेत्र में मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है। रोकथाम हेतु / दिनेश / दीप्ति चौरसिया महाकाली निवास, मार्वे रोड मालाड से पत्र लिखता / लिखती है।

OR

रमेश / रमा मोगरकर, 23 म्हाडा कॉलनी मुंबई से अपने छोटे भाई / बहन गोपाल / आशा मोगरकर 6/49 आनंद धाम घुलिया को पत्र लिखकर व्यायाम का महत्व समझाता / समझाती है।

(2) गद्य आकलन -

(4)

निम्नलिखित परिच्छेद पढ़कर एक-एक वाक्य में उत्तरवाले चार ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर परिच्छेद में हों :-

स्वाधीन भारत में अभी तक अंग्रेजी हवाओं में कुछ लोग यह कहते मिलेंगे - जब तक विज्ञान और तकनीकी ग्रंथ हिंदी में न हो तब तक कैसे हिंदी में शिक्षा दी जाए। जब की स्वामी श्रद्धानंद स्वाधीनता से भी चालीस साल पहले गुरुकुल काँगड़ी में हिंदी के माध्यम से विज्ञान जैसे गहन विषयों की शिक्षा दे रहे थे। ग्रंथ भी हिंदी में थे और पढ़ाने वाले भी हिंदी के थे। जहाँ चाह होती है वही राह निकलती है। एक लंबे अरसे तक अंग्रेज गुरुकुल काँगड़ी को भी राष्ट्रीय आंदोलन का अभिन्न अंग मानते रहे। इसमें कोई संदेह भी नहीं कि गुरुकुल के स्नातकों में स्वाधीनता की अजीब तड़प थी। स्वामी श्रद्धानंद जैसा राष्ट्रीय नेता जिस गुरुकुल का संस्थापक हो और हिंदी शिक्षा का माध्यम हो; वही राष्ट्रीयता नहीं पनपेगी तो कहाँ पनपेगी। स्वामी जी से मिलने देश के प्रमुख राष्ट्रीय नेता भी गुरुकुल आते रहते थे।

(आ) (1) वृत्तांत लेखन -

(5)

मालवणी, मालाड में सरकार द्वारा आयोजित 'पल्स पोलियों टीकाकरण' का आँखों देखा हाल लिखिए। (वृत्तांत में स्थल, काल, घटना का उल्लेख करना अनिवार्य है।)

अथवा

कहानी लेखन -

(5)

निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर लगभग 70 से 80 शब्दों में कहानी लिखिए, और उचित शीर्षक दीजिए :-

निम्न लिखित मुद्दों के आधार पर कहानी लिखकर उसे उचित शीर्षक दीजिए

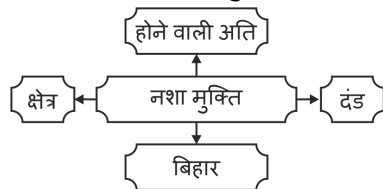
गरमी के दिन - प्यासा कौआ - घड़ा देखना - पत्थर लाना - घड़े में डालना - पानी ऊपर आना - प्यास बुझाना - शिक्षा

(2) विज्ञापन लेखन -

(5)

अंतरजाल से 'नशा मुक्ति' योजना संबंधी जानकारी प्राप्त करके उसे बढ़ाना देने हेतु विज्ञापन तैयार कीजिए।

(5)



(इ) निबंध लेखन -

(7)

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 80 से 100 शब्दों में निबंध लिखिए :-

- (1) चुनाव और बढ़ता भ्रष्टाचार
- (2) मेरा प्रिय त्योहार।
- (3) बस-स्थानक पर आधा घंटा